पाठ 10 नव वर्ष का पर्व पोंगल

प्रस्तावना,आदर्श पठन,नए शब्द

CLASS: IV
SESSION NO : 20
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NUMBER: 10
TOPIC: नव वर्ष का पर्व पोंगल
SUB TOPIC: प्रस्तावना, आदर्श पठन,नए शब्द

G YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

पाठ 10
नववर्ष का पर्व-पोंगल

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

चिंतन-मनन

उत्तर भारत के मकर संक्राति त्योहार को ही दक्षिण भारत में पोंगल के रूप में मनाया जाता है।पोंगल विशेष रूप से किसानों का त्योहार है। इस दिन तमिलनाडुवासी बुरी रीतियों का त्याग करते है। यह कार्य पोही कहलाता है।जिसका का अर्थ है '- जाने वाली। इसके द्वारा लोग बुरी चीजों का त्याग करते हैं और अच्छे चीजों का ग्रहण करने की प्रतिज्ञा करते हैं।

'पोंगल' तमिलनाडु में मनाया जाने वाला मुख्य त्योहार है। तीन दिनों तक चलने वाला यह त्योहार अत्यंत हर्ष और उल्लास से मनाया जाता है। इस दिन सभी नए कपड़े पहनते हैं। पोंगल के पहले दिन को 'भोगी पाँगल' कहा जाता है। इस दिन महिलाएँ आँगन लोपतो हैं और घरों को फूलों से सजाती हैं।
'भोंगी पोंगल' के दिन नदी में नहाकर भगवान इंद्र की पूजा की जाती है।

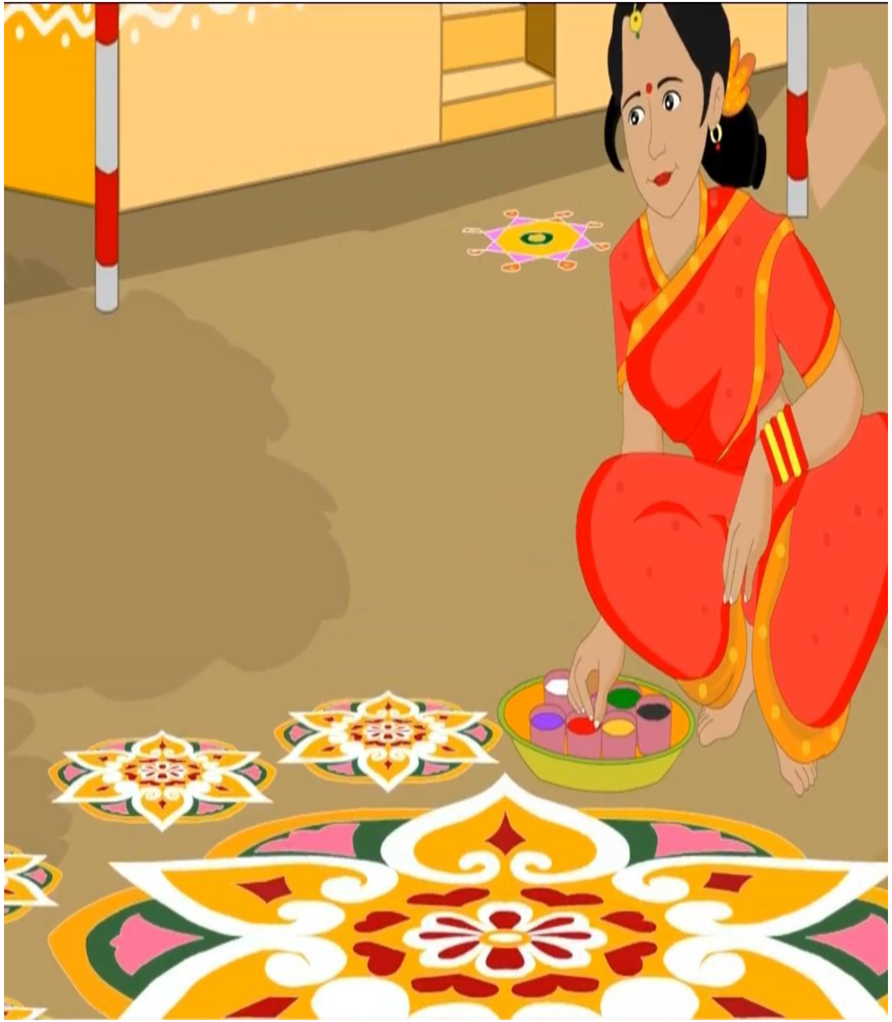

लोगों का मानना है कि इंद्र देवता वर्षा के देवता है। जब इंद्र देवता समय पर वर्षा करेंगे, तभी खेतों में फसल लहराएगी। इस दिन चावल के स्वादिष्ट पकवान बनते हैं। नारियल के दूध की गुड़ वाली खीर भी बनाई जाती है।

पोंगल का दूसरा दिन 'सूर्य पोंगल' कहलाता है। इस दिन सूर्य देवता की पूजा होती है। ऐसा माना जाता है कि सूर्य देवता फसलों को ऊष्मा और ऊर्जा देते हैं अत: इनकी पूजा कर इन्हें धन्यवाद दिया जाता है।

'सूर्य पोंगल' के दिन चावल, ज्वार, दूध और नारियल से बनी खीर सूर्य देवता को भोग में चढ़ाई जाती है। लोग रिश्तेदारों और मित्रों को पोंगल की बधाई देते हैं और मिठाइयाँ बाँटते हैं।पोंगल के तीसरे दिन को 'माट्टू पोंगल' कहा जाता है। यह दिन पशुओं की पूजा का दिन होता है। माना जाता है कि पशु ही जीवन के आधार है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ये फसलों को उपज में सहायता करते हैं। इनसे ही हमें दूध, दही मिल पाता है। 'माट्टू पोंगल' की एक कुरीति भी है, जिसे 'जल्लीकट्टू' कहा जाता है। इसमें बैलों एवं भैसों को तंग कर पहले दौड़ाते हैं और फिर उन्हें काबू में लाया जाता है। यह पालतू पशुओं पर अत्याचार है। भारत सरकार के उच्चतम न्यायालय ने इसे अवैध करार देते हुए 'जल्लीकट्टू' न मनाने का आदेश दिया था।

पोंगल हर्षोल्लास के साथ दोस्ती, भाईचारे एवं पशु प्रेम का संदेश भी देता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

नए शब्द

त्योहार
अत्यंत
उल्लास
उष्मा
ऊर्जा
माट्टू
कुरीति
तंग
भाईचारे

गृहकार्य

कठिन शब्द का अभ्यास करें

शिक्षण प्रतिफल

बच्चों को त्योहारों के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त हुई

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP